Birth Centenary of Ghanshyam Dass Jain

Ghanshyam Dass Jain (born 1925, Multan) was a visionary whose life blended artistic genius, spiritual depth, and an unwavering commitment to humanity. Honored with titles like "Sangeet Samrat" by Governor Mangal Das Pakvasa, he used music as a spiritual practice, publishing the Ghanshyam Bhajanawali and releasing iconic albums with HMV and T-Series. His popular stage plays, such as Garib ki Chingariyan, along with poignant compositions on the transient nature of life, resonated widely across India and abroad.

Following the loss of his wealth during Partition, he rebuilt his life from scratch, expanding into the wool, textile, and film financing industries while actively helping rehabilitate displaced individuals through employment and education. Revered in cinema as the "Jackpot Distributor" through banners like T. Naveen Pictures and Magnum Films, he financed, produced, and distributed legendary films ranging from Deewar and Kranti to Hum Dil De Chuke Sanam.

Ghanshyam Dass Jain was equally dedicated to philanthropy, donating all earnings from his musical shows to build temples, support hospitals, and help those in need. To institutionalize his mission, he established the Jain Kushal Yuvak Mandal, Jin Kushal Suri Jain Mahila Mandal, and Sargam Mandal, which trained novice singers and engaged youth in social welfare. He also authored and directed moral plays—including Dharm Shakti and Vikram Betal—to instill traditional values in younger generations.

His monumental legacy in cinema and devotional music industry earned him high praise. Beyond his formal accolades, his lasting impact on society was commemorated in 2013 with the naming of "Shri Ghanshyam Dass Jain Marg," a prominent road in New Delhi dedicated to his memory.

The Department of Posts is pleased to issue a commemorative postage stamp on Ghanshyam Dass Jain. This stamp recognizes his contribution to the Cinema and Devotional Music Industry.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Ms. Kanika
Text	:	Based on the content provided by the proponent.

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS



घनश्याम दास जैन की जन्म शताब्दी
BIRTH CENTENARY OF GHANSHYAM DASS JAIN

विवरणिका BROCHURE

घनश्याम दास जैन की जन्म शताब्दी

घनश्याम दास जैन का जन्म वर्ष 1925 में मुल्तान में हुआ था। वे एक भविष्यदृष्टा थे, जिनका संपूर्ण जीवन कलात्मक प्रतिभा, आध्यात्मिक गहनता, और मानवता के प्रति अविचल वचनबद्धता की मिसाल है। गवर्नर मंगल दास पकवासा द्वारा "संगीत सम्राट" की उपाधि से सम्मानित घनश्याम दास जैन ने संगीत को आध्यात्मिक अभ्यास के रूप में प्रयोग किया, घनश्याम भजनावली प्रकाशित की और एचएमवी एवं टी–सिरीज के साथ प्रतिष्ठित एल्बम्स रिलीज की। उनका प्रसिद्ध मंच नाटक "गरीब की चिंगारियां" और जीवन की अस्थायी प्रकृति पर आधारित दिल को छू लेने वाली उनकी रचनाएं देश–विदेश में खूब लोकप्रिय हुईं।

देश के बंटवारे के दौरान अपनी पूरी संपत्ति गंवा देने के बाद, उन्होंने जीवन को पुनः जमीनी स्तर से शुरू करते हुए ऊन, वस्त्र एवं फिल्म फाइनेंसिंग (वित्तपोषण) उद्योग में अनंत सफलताएं प्राप्त की। साथ ही, वे विस्थापित लोगों को शिक्षा और रोजगार प्रदान कर उनके पुनर्वास में सक्रिय रूप से सहायता प्रदान करते रहे। सिनेमा जगत में 'टी. नवीन पिक्चर्स' और 'मैग्नम फिल्म्स' के बैनर के अंतर्गत उन्हें "जैकपॉट डिस्ट्रीब्यूटर" के रूप में सम्मानित किया गया। उन्होंने 'दीवार' और 'क्रान्ति' जैसी फिल्मों से लेकर 'हम दिल दे चुके सनम', जैसी प्रसिद्ध फिल्मों का वित्तपोषण, उत्पादन और वितरण का कार्य किया।

घनश्याम दास जैन परोपकार के लिए भी पूर्णतः समर्पित रहे, अपने संगीत कार्यक्रमों से उपार्जित पूरा धन मंदिरों के निर्माण, अस्पतालों को सहयोग और जरूरतमंदों की सहायता के लिए दान किया करते थे। अपने इस मिशन को संस्थागत रूप देने के लिए उन्होंने 'जैन कुशल युवक मंडल', 'जिन कुशल सूरी जैन महिला मंडल' और 'सरगम मंडल' की स्थापना की, जहां नए गायकों को प्रशिक्षित किया जाता था और युवाओं को सामाजिक कल्याण के प्रति प्रोत्साहित किया जाता था। उन्होंने युवाओं में नैतिक मूल्यों का संचार करने के उद्देश्य से 'धर्म शक्ति' और 'विक्रम बेताल' जैसे पारंपरिक नाटकों का लेखन और निर्देशन भी किया।

सिनेमा और भक्ति संगीत उद्योग जगत में उनकी स्थायी महत्त्व की विरासत को उच्च प्रशंसा प्राप्त हुई। उन्हें प्रदत्त औपचारिक सम्मानों के अलावा, समाज पर उनके अमिट प्रभाव की याद में वर्ष 2013 में नई दिल्ली के एक प्रमुख सड़क मार्ग को "श्री घनश्याम दास जैन मार्ग" नाम भी दिया गया।

डाक विभाग घनश्याम दास जैन पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है। यह डाक–टिकट घनश्याम दास जैन के सिनेमा और भक्ति संगीत उद्योग जगत में योगदान को रेखांकित करता है।

आभार:

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/
विवरणिका/विरूपण कैशे : सुश्री कनिका

पाठ : प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री पर आधारित

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य	:	500 पैसे
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	303725
Stamps Printed	:	303725
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamps, Miniature Sheets, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00